

प्रेषक,

टीकम सिंह पंवार,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण,  
उद्यान भवन चौबटिया-रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक, 3/ अक्टूबर 2015

विषय-वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए अनुदान संख्या-29 आयोजनेत्तर पक्ष की 0301-अधिष्ठान योजना के 16 व्यवसायिक और विशेष सेवा के लिए भुगतान मद में 0319-उत्तराखण्ड औद्यानिक विपणन बोर्ड से ऋण स्वरूप धनराशि विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-423/एक-1(8) 2015-16 दिनांक 09 अक्टूबर 2015 के सन्दर्भ में शासनादेश संख्या-705/XVI-1/15/5(4)/2012 दिनांक 04 जून 2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए अनुदान संख्या-29 आयोजनेत्तर पक्ष की 0301-अधिष्ठान योजना के 16-व्यवसायिक और विशेष सेवा के लिए भुगतान मद में 0319-उत्तराखण्ड औद्यानिक विपणन बोर्ड से ऋण स्वरूप अवशेष धनराशि रु० 700.00 लाख में से रु० 300.00 लाख (तीन करोड़ मात्र) उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण हेतु तथा रु० 200.00 (रु० दो करोड़ मात्र) उत्तराखण्ड चाय विकास कार्यों के संचालन हेतु ऋण स्वरूप धनराशि इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है, कि प्रथम अनुपूरक बजट में स्वीकृत धनराशि के द्वारा उक्त धनराशि को वापस कर दी जाएगी।

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार)  
अपर सचिव।

संख्या-1643/XVI-1/15/7(15)/2013, तददिनांकित।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड औद्यानिक विपणन, परिषद, सर्किट हाऊस देहरादून को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि, कृपया उपरोक्तानुसार, रु० 3.00 करोड़ उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग तथा रु० 2.00 करोड़ उत्तराखण्ड चाय विकास बोर्ड को भुगतान करने की कार्यवाही करें, तथा इसकी प्रतिपूर्ति अनुपूरक मांगों से प्राप्त धनराशि से कर दिया जायेगा।
3. निदेशक, उत्तराखण्ड चाय विकास बोर्ड, अल्मोडा को उनके पत्र संख्या-630/3-लेखा/बजट 2015-16, दिनांक 15 अक्टूबर 2015 के क्रम में।
4. जिलाधिकारी अल्मोडा/देहरादून।
5. मुख्य कोषाधिकारी देहरादून/अल्मोडा।
6. बजट राजकोषीय नियोजना एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
7. वित्त अनुभाग-4 उत्तराखण्ड शासन।
8. एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर देहरादून।
9. गार्ड फाईल।
10. उद्यान एवं रेशम अनुभाग-2

आज्ञा से,

(वीरेन्द्र प्रताप सिंह)  
उप सचिव।